KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

इतिहास

भाग - 2

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 6

भक्ति-सूफी परंपराएँ

भाग - 5

Pritesh Joshi

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

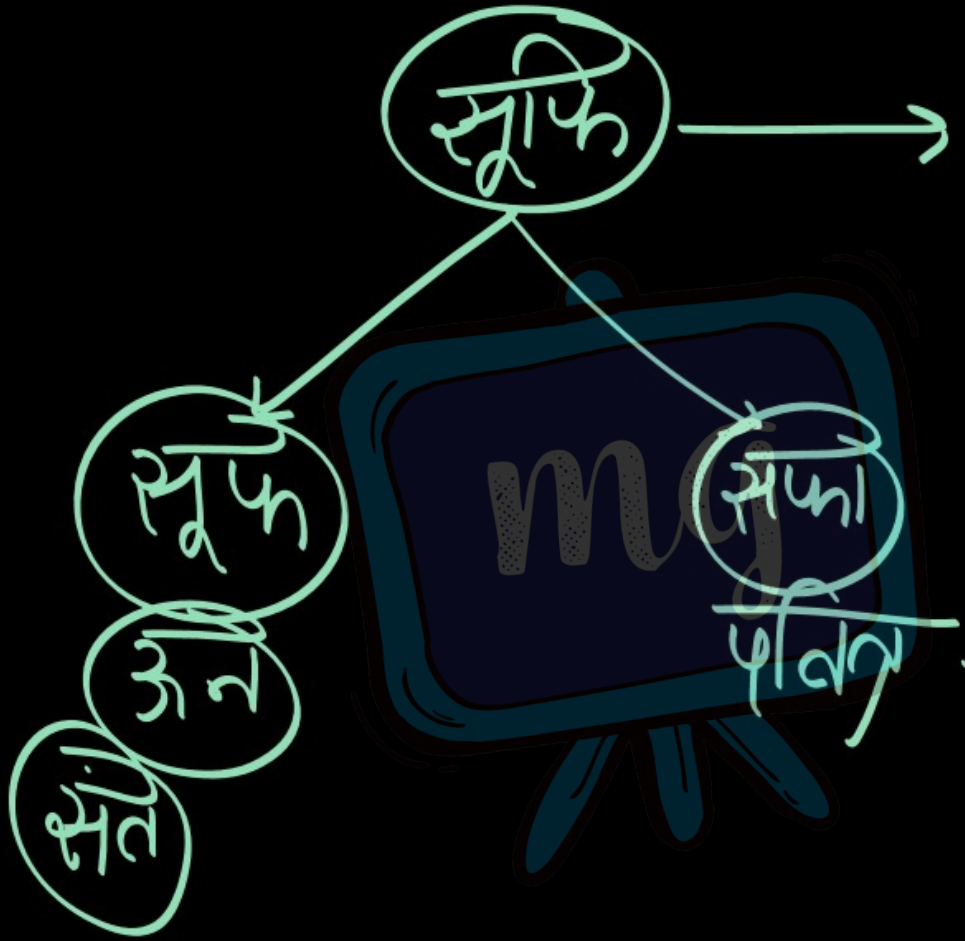

इस्लामिक
कट्टरता ✗
रहस्यता ✓

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

तसव्वुफ

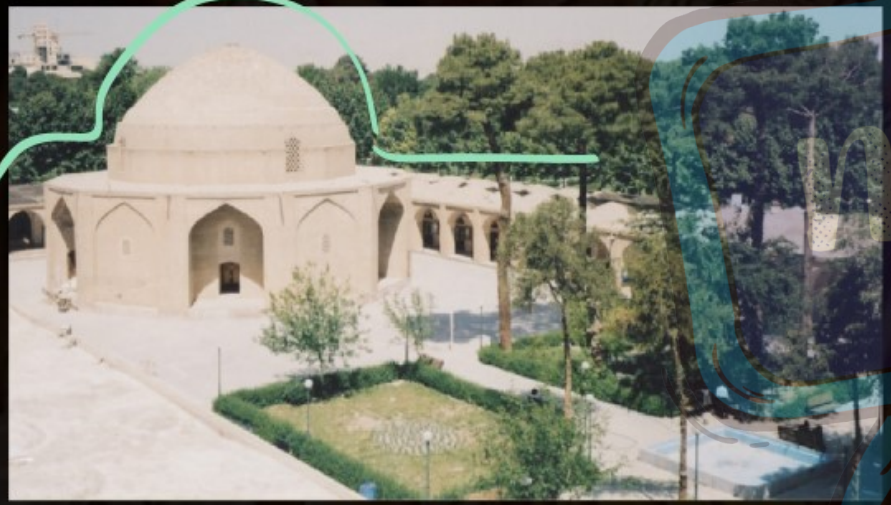

खानकाह और सिलसिला :

- ग्यारहवीं शताब्दी तक आते-आते सूफीवाद एक पूर्ण विकसित आन्दोलन था।
- सूफी अपने को एक संगठित समुदाय-खानकाह के इर्द-गिर्द स्थापित करते थे।
- खानकाह का नियंत्रण शेख/ पीर अथवा मुर्शीद के हाथ में था।
- वे अनुयायियों की भर्ती करते थे और अपने वारिस (खलीफा) की नियुक्ति करते थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

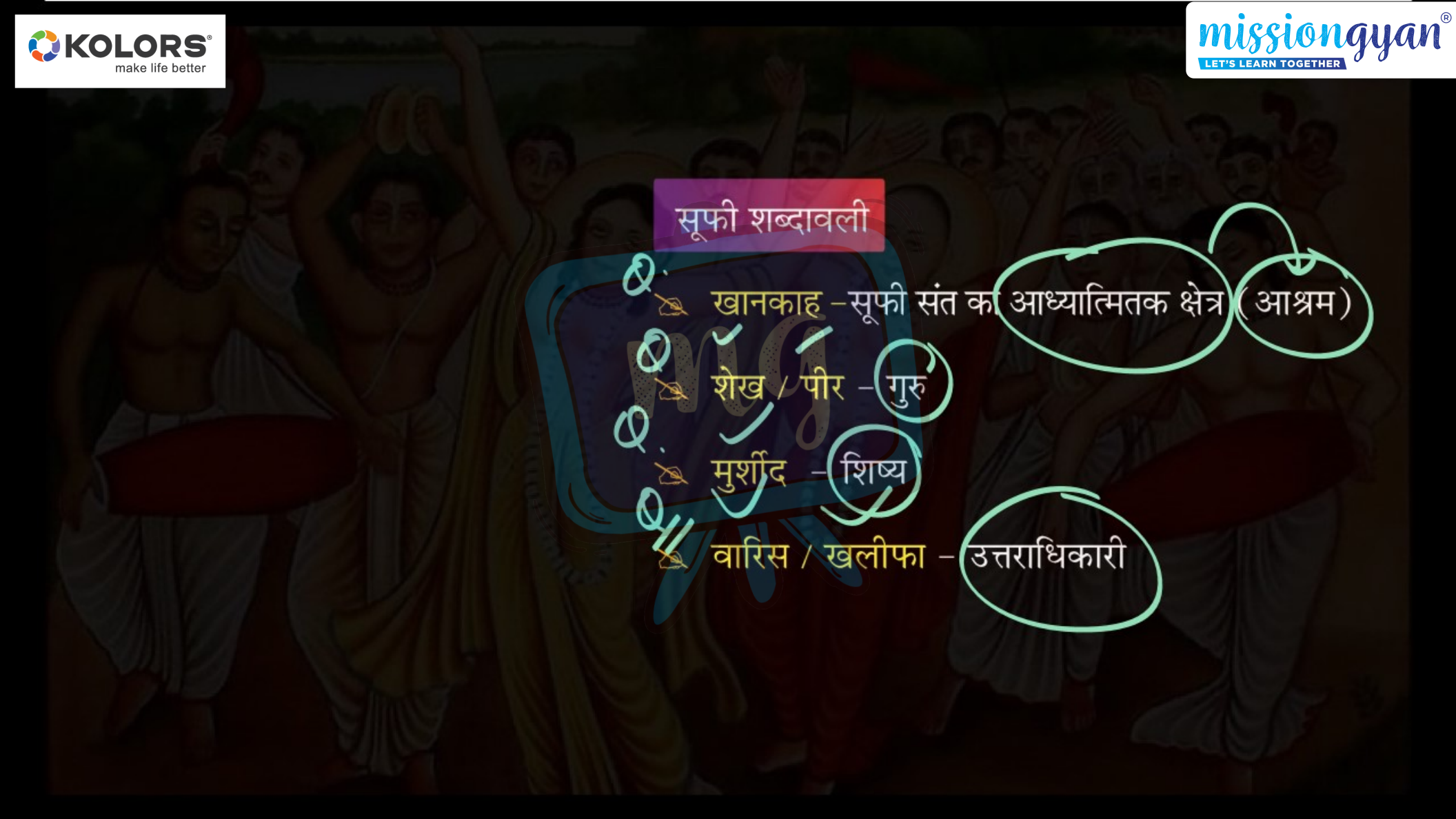

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

① Ekakshal-12th ② MG App.

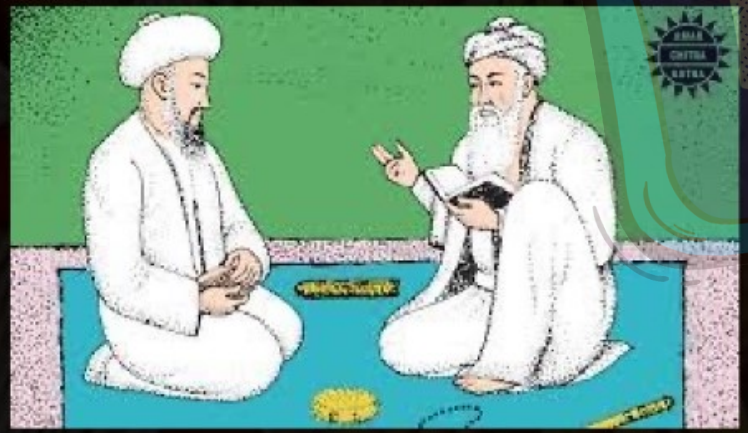

- 12 वीं शताब्दी के आस-पास सूफी सिलसिलों का गठन होने लगा था।
- **सिलसिले का अर्थ :-** सिलसिले का शाब्दिक अर्थ है, जंजीर जो शेख और मुरीद के बीच एक निरंतर रिश्ते की घोतक है जिसकी पहली अटूट कड़ी **पैगम्बर मोहम्मद** से जुड़ी है।
- **पीर** की मृत्यु के बाद उसकी **दरगाह** उसके **मुरीदों** के लिए भक्ति का स्थल बन जाती थी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इस तरह पीर की दरगाह पर जियारत के लिए जाने की खासतौर से उनकी बरसती के अवसर पर, परिपाटी चल निकली।
- इस परिपाटी को उर्स (पीर की आत्मा का ईश्वर से मिलन) कहा जाता था।
- इस तरह शेख का वली के रुप में आदर करने की परिपाटी शुरु हुई।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

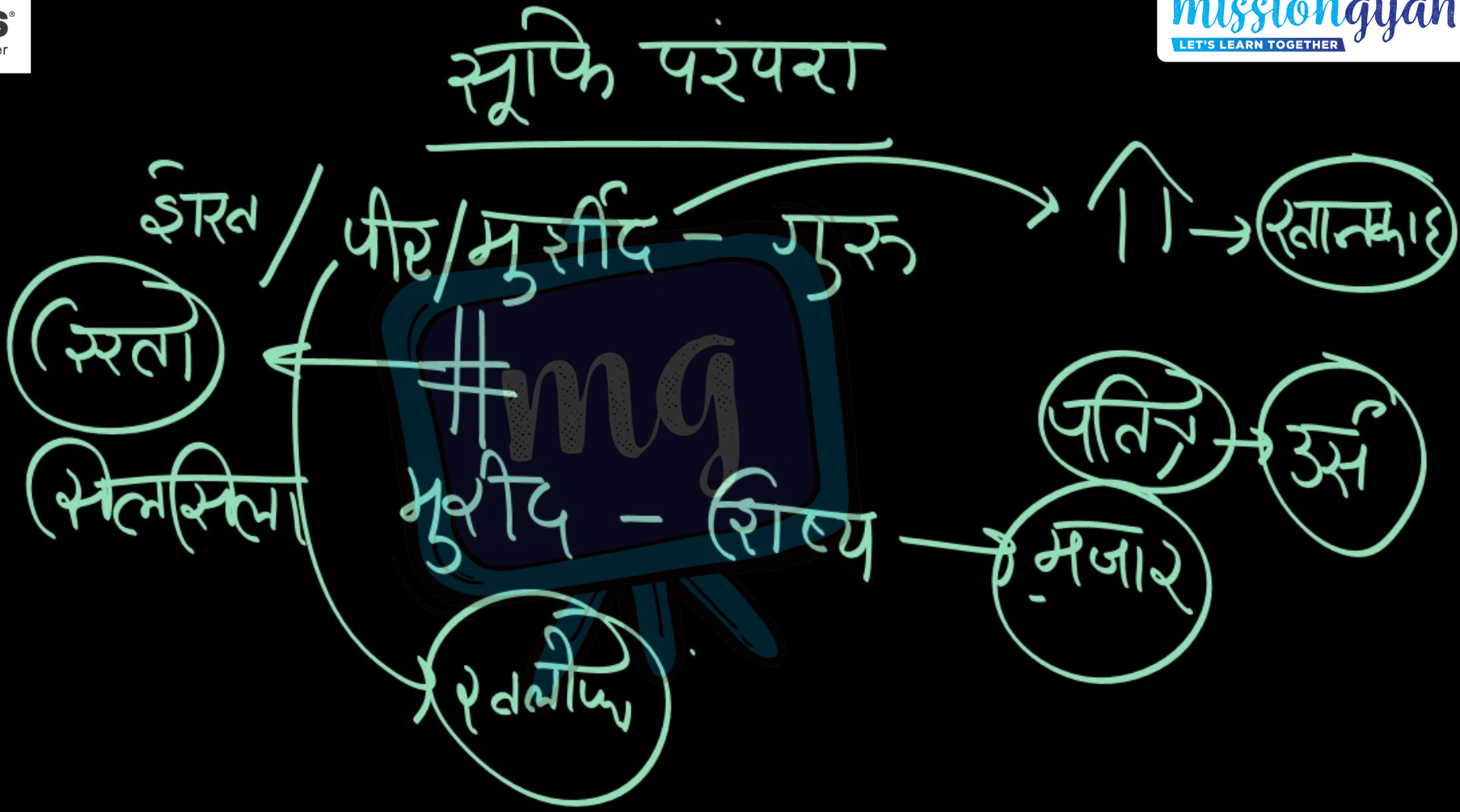

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

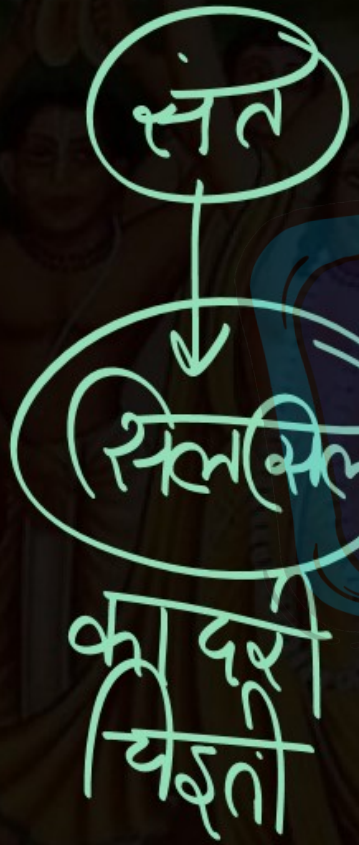

सिलसिलों के नाम

ज़्यादातर सूफ़ी वंश उन्हें स्थापित करने वालों के नाम पर पड़े। उदाहरणतः, कादरी सिलसिला शेख अब्दुल कादिर जिलानी के नाम पर पड़ा। कुछ अन्य सिलसिलों का नामकरण उनके जन्मस्थान पर हुआ जैसे चिश्ती नाम मध्य अफगानिस्तान के चिश्ती शहर से लिया गया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. 'सेलासेले' का अर्थ स्पष्ट करें।

Q. मुर्शिद को परिभाषित करें?

Q. सेलासेलो का नामकरण किस प्रकार होता था?

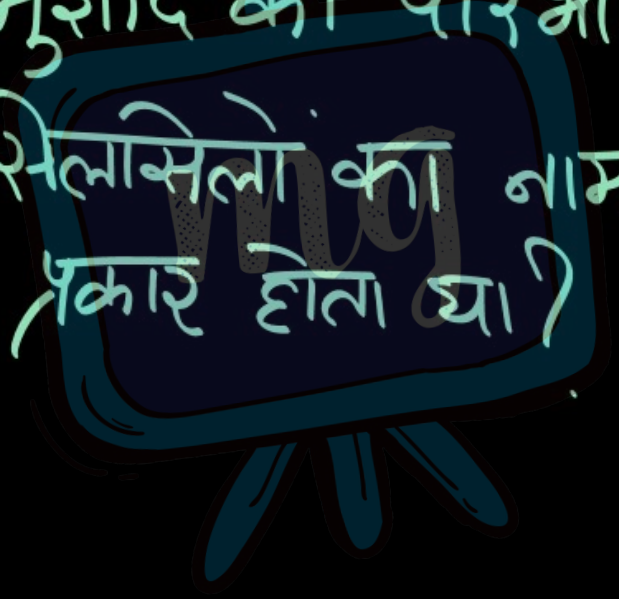

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

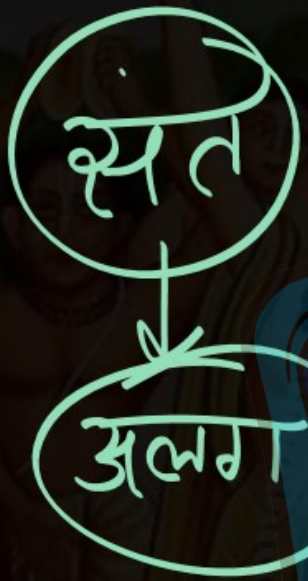

ख़ानक़ाह के बाहर

- कुछ रहस्यवादियों ने सूफ़ी सिद्धांतों की मौलिक व्याख्या के आधार पर नवीन आंदोलनों की नींव रखी।
- ख़ानक़ाह का तिरस्कार करके यह रहस्यवादी फ़कीर की ज़िंदगी बिताते थे।
- निर्धनता और ब्रह्मचर्य को उन्होंने गौरव प्रदान किया। इन्हें विभिन्न नामों से जाना जाता था- कलंदर, मदारी, मलंग, हैदरी इत्यादि।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

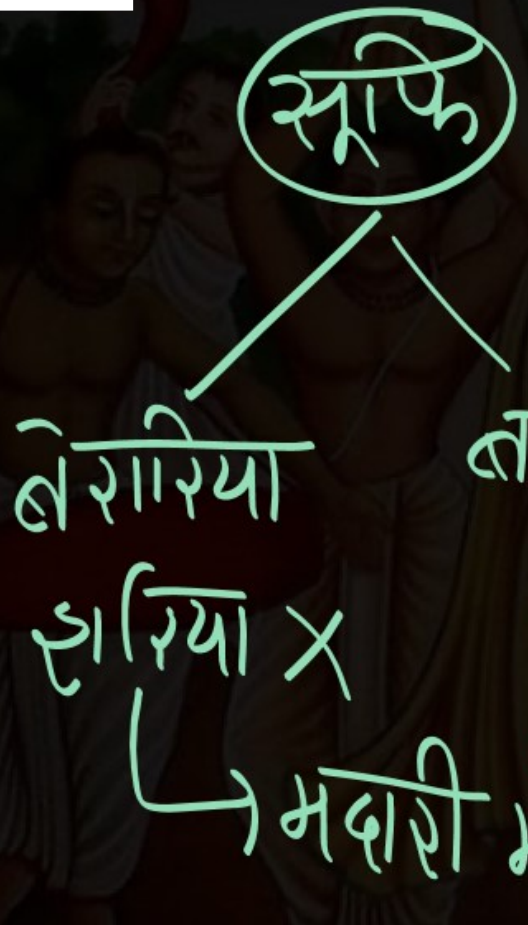

- शरिया की अवहेलना करने के कारण उन्हें बे-शरिया कहा जाता था।
- इस तरह उन्हें शरिया का पालन करने वाले (बा-शरिया) सूफ़ियों से अलग करके देखा जाता था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उपमहाद्वीप में चिश्ती सिलसिला

- बारहवीं शताब्दी के अंत में भारत आने वाले सूफी समुदायों में चिश्ती सबसे अधिक प्रभावशाली रहे।
- कारण :
  1. इन्होंने अपने आपको स्थानीय परिवेश में अच्छी तरह ढाला और
  2. भारतीय भक्ति परंपरा की कई विशिष्टताओं को भी अपनाया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





चिश्ती सिलसिले के मुख्य उपदेशक

सूफी	मृत्यु का वर्ष	दरगाह का स्थान
शेख मुइनुद्दीन चिश्ती	1235	अजमेर (राजस्थान)
ख़्वाजा कुतुबुद्दीन बख़्तियार काकी	1235	दिल्ली
शेख फरीदुद्दीन गंज-ए-शकर	1265	अजोधन (पाकिस्तान)
शेख निज़ामुद्दीन औलिया	1325	दिल्ली
शेख नसीरुद्दीन चिराग-ए-देहली	1356	दिल्ली

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

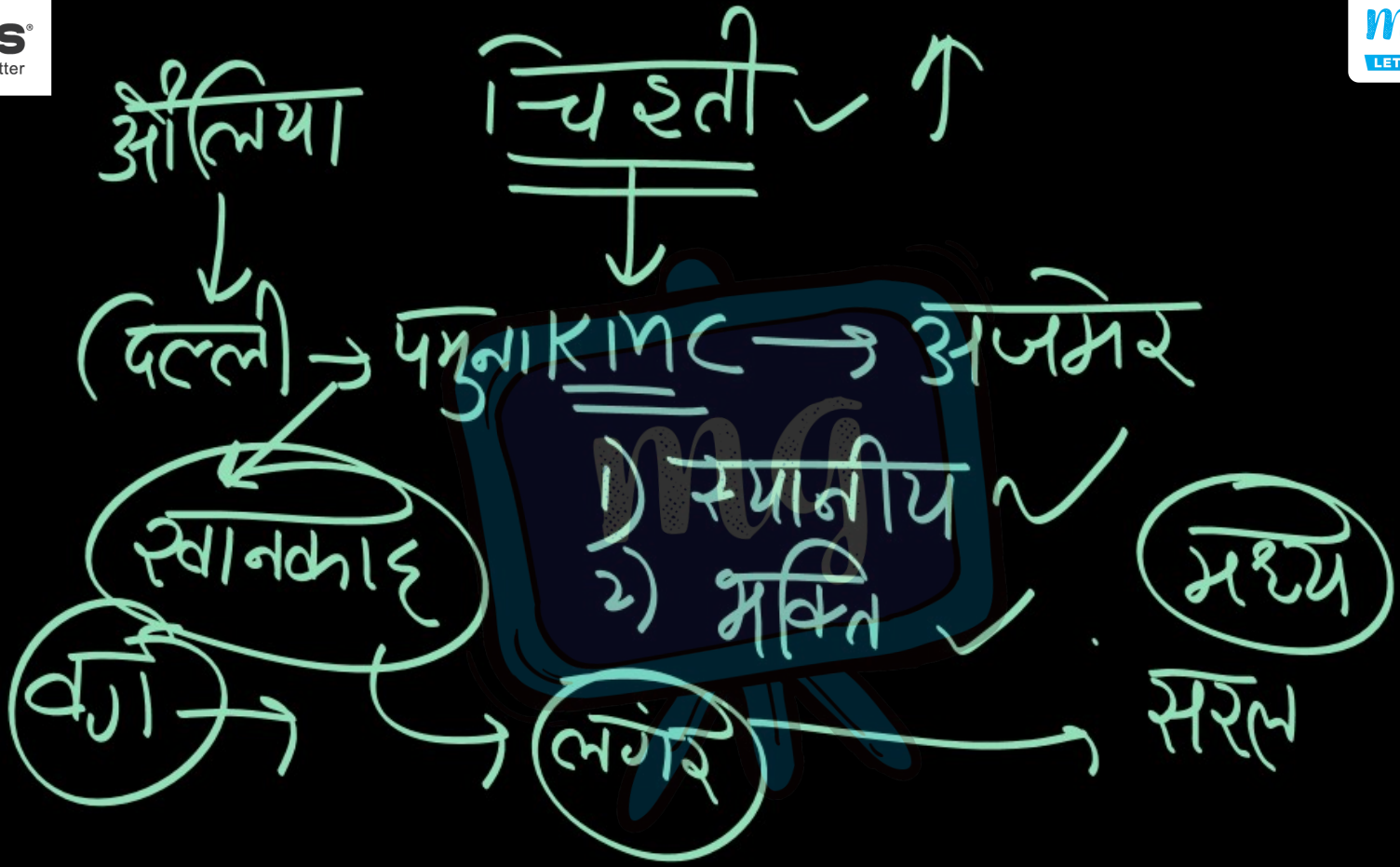

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चिश्ती ख़ानक़ाह में जीवन

- ख़ानक़ाह सामाजिक जीवन का केंद्र बिंदु था।
- शेख निज़ामुद्दीन औलिया (चौदहवीं शताब्दी) का ख़ानक़ाह दिल्ली शहर की बाहरी सीमा पर यमुना नदी के किनारे ग़ियासपुर में था।



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

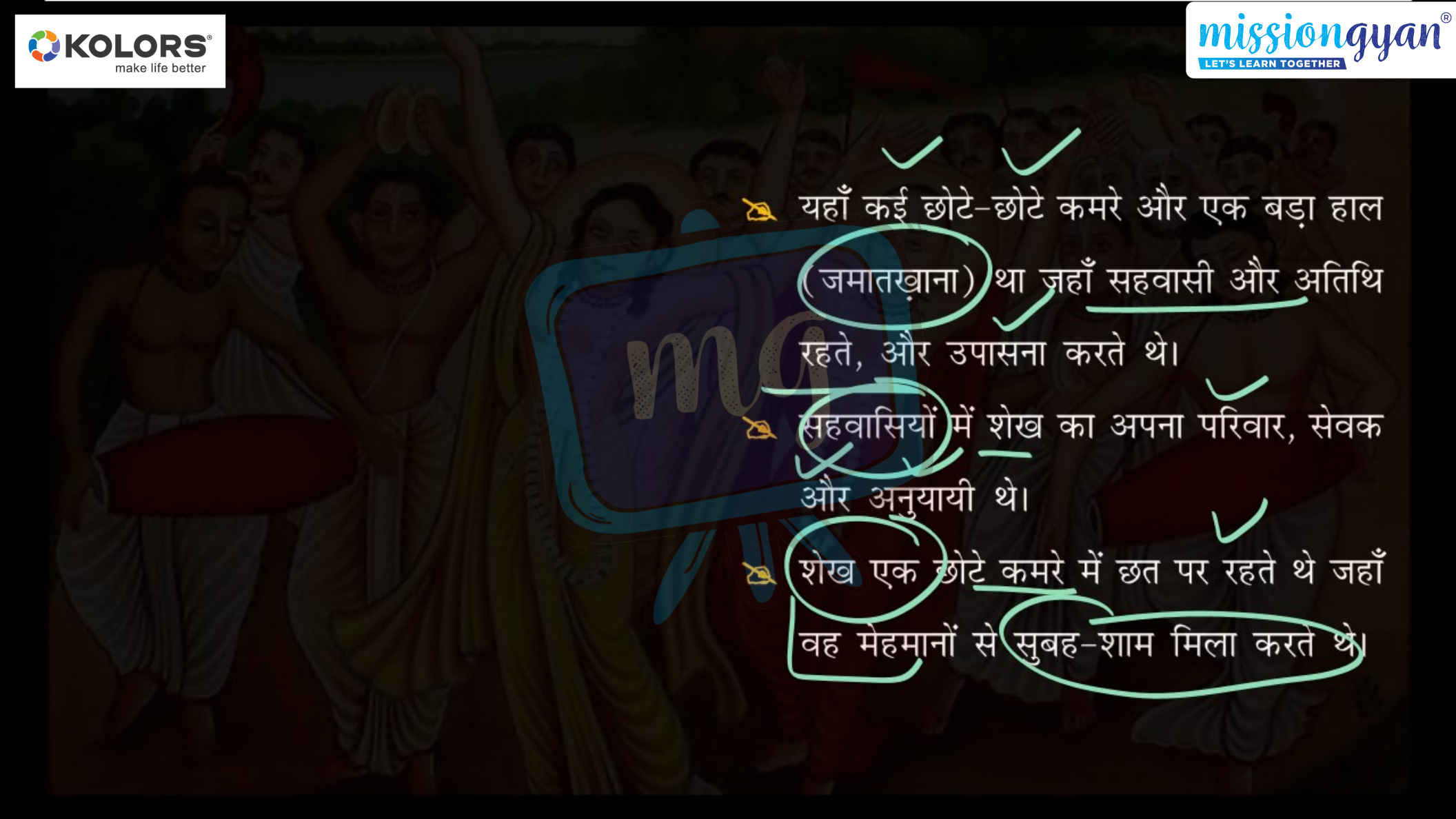

- यहाँ कई छोटे-छोटे कमरे और एक बड़ा हाल (जमातख़ाना) था जहाँ सहवासी और अतिथि रहते, और उपासना करते थे।
- सहवासियों में शेख का अपना परिवार, सेवक और अनुयायी थे।
- शेख एक छोटे कमरे में छत पर रहते थे जहाँ वह मेहमानों से सुबह-शाम मिला करते थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

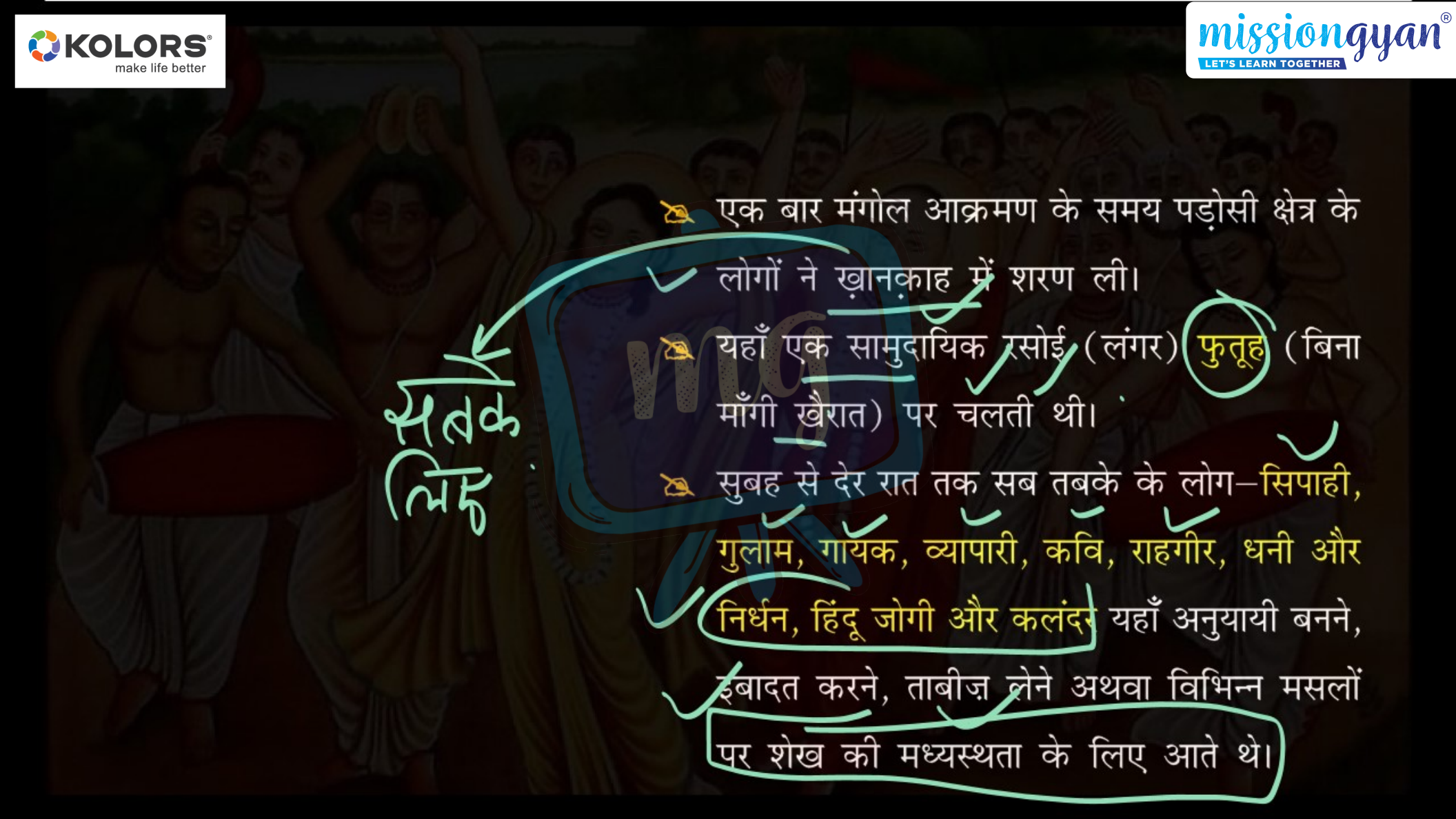

सतके लिए

- एक बार मंगोल आक्रमण के समय पड़ोसी क्षेत्र के लोगों ने ख़ानक़ाह में शरण ली।
- यहाँ एक सामुदायिक रसोई (लंगर) फुतूह (बिना माँगी खैरात) पर चलती थी।
- सुबह से देर रात तक सब तबके के लोग—सिपाही, गुलाम, गायक, व्यापारी, कवि, राहगीर, धनी और निर्धन, हिंदू जोगी और कलंदर यहाँ अनुयायी बनने, इबादत करने, ताबीज़ लेने अथवा विभिन्न मसलों पर शेख की मध्यस्थता के लिए आते थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

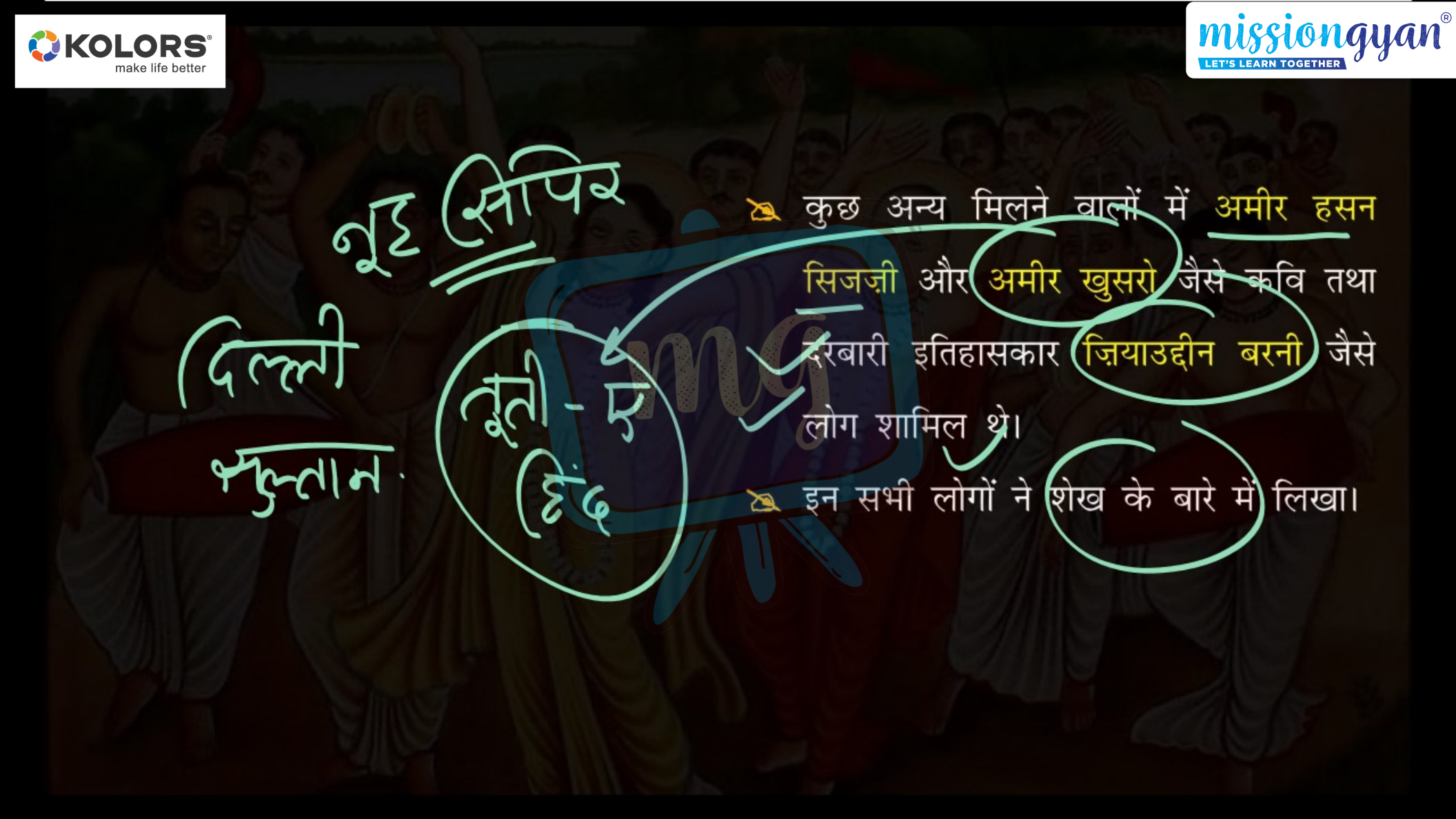

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- सूफ़ी संतों के द्वारा स्थानीय परंपराओं को आत्मसात करने का प्रयत्न किया गया जैसे-

1. शेख के सामने झुकना
2. मिलने वालों को पानी पिलाना
3. दीक्षितों के सर का मुंडन
4. यौगिक व्यायाम आदि व्यवहार इस तथ्य के द्योतक।

योग।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

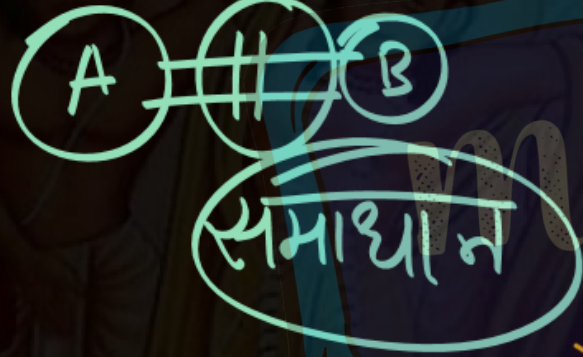

- शेख निज़ामुद्दीन ने कई आध्यात्मिक वारिसों का चुनाव किया और उन्हें उपमहाद्वीप के विभिन्न भागों में ख़ानक़ाह स्थापित करने के लिए नियुक्त किया।
- इस वजह से चिश्तियों के उपदेश, व्यवहार और संस्थाएँ तथा शेख का यश चारों ओर फैल गया।
- उनकी तथा उनके आध्यात्मिक पूर्वजों की दरगाह पर अनेक तीर्थयात्री आने लगे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. चिश्ती सिलसिला अन्य सिलसिलो के मुकाबले अधिक प्रभावशाली किस प्रकार

Q. सिलसिले मे कौनसी स्थानीय परंपराओ को जोड़ा गया ?

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

